Government Degree College, Madhuban,
Pakridayal, East - Champaran
(B.R.A.B.U. Muzaffarpur)

B.A., Part - II, Hon./Sub.
Subject : Geography, Practical

Topic : Median : The median from ungrouped data

By,
Dr. Md. Jamshed Alam
Assistant professor

Email ID : Jamshedmit@gmail.com
Whatsapp No. : 9097179092

---

## माध्यिका : (Median) :

केन्द्रीय प्रवृति (Central tendency) की दूसरी माप माध्यिका है। माध्यिका (Median) किसी भी पदमाला की वह संख्या है जो पदमाला के आरोही या अवरोही क्रम में लिखे हुए पद

पद का माध्य मूल्य होता है दूसरे शब्दों में किसी समूह या श्रेणी के पदों को आरोही (ascending) या अवरोही (descending) क्रमों में व्यवस्थित करने पर मध्य पद का मान माध्यिका है। उसे प्रतिक के रूप में Md से दर्शाया जाता है। माध्यिका किसी वितरण में वह बिन्दु है जिसके ऊपर 50% तथा नीचे 50% प्राप्तांक होते हैं।

डाउनी तथा हीन के अनुसार "माध्यिका किसी वितरण में वह बिन्दु है जिसके दोनो ओर बराबर प्राप्तांक होते हैं।"

रेबर के अनुसार "आकार के अनुसार व्यवस्थित प्राप्तांकों के वितरण में मध्य प्राप्तांक को माध्यिका कहते हैं" मध्यमान की तरह माध्यिका भी केन्द्र की ओर निर्देश करता है। इसकी एक सम्भाव विशेषता यह है कि यह केवल उस बिन्दु की ओर इंगित करता है जिसके ऊपर तथा नीचे बराबर प्राप्तांक होते हैं। ~~इसे एक~~

Q. इसे एक उदाहरण द्वारा स्पष्ट रूप में समझा जा सकता है।

जैसे सात गर्भवती महिलाओं द्वारा लिए गए प्रोटीन की मात्रा 60 gm, 45 gm, 55 gm, 65 gm, 70 gm, 48 gm तथा 59 gm है। अब इन मात्राओं को सर्वप्रथम बढ़ते क्रम में इस प्रकार व्यवस्थित किया जाता है —

45 gm, 48 gm, 55 gm, 59 gm, 60 gm, 65 gm तथा 70 gm

इसमें, 5 gm एक ऐसा प्राप्तांक है जिसके नीचे तीन प्राप्तांक 45, 48 तथा 55 है।

वहीं इसके ऊपर तीन प्राप्तांक 60, 65 तथा 70 है। अर्थात 55 वैसा प्राप्तांक है जो वितरण के मध्य में पड़ता है। अर्थात् इन सात प्राप्तांकों की माध्यिका 59 हुई।

माध्यिका का परिकलन दो परिस्थितियों में होता है।

## —: A. असामूहिक आँकड़ों से माध्यिका :- (The median from ungrouped data)

असामूहिक या अव्यवस्थित आँकड़ो का अर्थ वे प्रदत्त (Score) हैं जो बारंबारता वितरण सारणी (frequency distribution table) के रूप में सजाये नहीं होते हैं। ऐसा तब होता है जब N छोटा होता है। माध्यिका ज्ञात करने हेतु सर्वप्रथम प्राप्तांको को घटते या बढ़ते क्रम में सजा लिया जाता है। फिर बीच वाले अंक को माध्यिका मान लिया जाता है।

माध्यिका ज्ञात करने का सूत्र

$$Md = \frac{(N+1)}{2} \text{ th number}$$

जहाँ,

Md = माध्यिका (Median)
N = आँकड़ो या प्राप्तांको की कुल संख्या

Date
Page

## —: Next Class :—

B. सामूहिक आँकड़ो से माध्यिका
(The median from grouped data)

Md. Jamshed Alam